भारत के रेशम उत्पादन क्षेत्रों के लिए शहतूत रोग की पूर्व- सूचना कैलेंडर

1. पाउडरी मिल्ड्यू /चूर्णिल आसिता (फिल्लाक्तिनिया कोरिलिया)

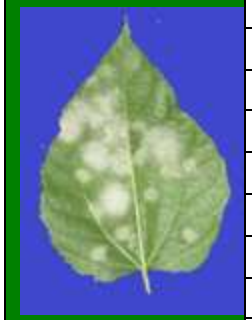

राज्य	प्रमुख रेसम उत्पादन क्षेत्र	भिन्न - भिन्न माह में सहतूत की आनुपातिक रोग सघनता											
		जनवरी	फ़रवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जूलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
कर्नाटक	रामनगर, कोलार, हसन												
तमिल नाडु	सेलम, कृष्णागिरि												
आंध्र प्रदेश	अनंतपुर, चित्तूर, कुरनूल												
उड़ीसा	कोरापुट, देवघर, मयूरभंज												
पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद, मालदा, बीरभूम												
बिहार, झारखण्ड	महेशपुर राज, रांची												
असम	जोरहाट												
मणिपुर	इम्फाल												
त्रिपुरा	अगरतला												
नागालैंड	दिमापुर												
मेघालय	मेघालय												
अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल												
मिजोरम	आईजवळ												
जम्मू कश्मीर	पामपुर, मानसबल, मिरगुण्ड												

गंभीर मध्यम कम

लक्षण : पत्तियों की निचली सतह पर सफ़ेद पाउडर युक्त पैच दिखाई देता है और ऊपरी सतह पर धब्बे का क्लोरोटिक विकास हो जाता है । धिरे -धिरे सफ़ेद पाउडर युक्त पैच भूरा हो जाता है और पतिया पिली पड़ जाती है ।

नियंत्राण : कृषि सम्बन्धी नियंत्रण: इसका नियंत्रण सहतूत की दो पंक्तियों (९० से मी x ९० से मी) के बीच अधिक स्थान या युग्मक पंक्ति रोपण द्वरा किया जा सकता है ।

रासायनिक नियंत्रण: ०.१% कार्बेन्डाजिम ५०% WP या बेविस्टिन २ ग्रम/ लीटर या सल्फेक्स ८०% WP २.५ ग्राम पर लीटर जलिप धोल का छिड़काव करके किया जा सकता है ।

सुरक्षा अवधि : बेविस्टिन केलिए ७ दिन और सुल्फेक्स के लिए १० दिन

2. पर्ण चिति (सर्कोस्पोरा मोरिकोला)

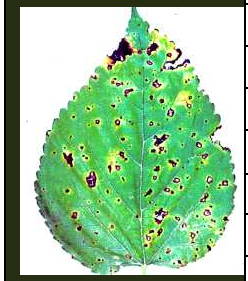

राज्य	प्रमुख रेसम उत्पादन क्षेत्र	भिन्न - भिन्न माह में सहतूत की आनुपातिक रोग सघनता											
		जनवरी	फ़रवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जूलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
कर्नाटक	रामनगर, कोलार, हसन												
तमिल नाडु	सेलम, कृष्णागिरि												
आंध्र प्रदेश	अनंतपुर, चित्तूर, कुरनूल												
उड़ीसा	कोरापुट, देवघर, मयूरभंज												
पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद, मालदा, बीरभूम												
बिहार, झारखण्ड	महेशपुर राज, रांची												
असम	जोरहाट												
मणिपुर	इम्फाल												
त्रिपुरा	अगरतला												
नागालैंड	दिमापुर												
मेघालय	मेघालय												
अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल												
मिजोरम	आईजवळ												
जम्मू कश्मीर	पामपुर, मानसबल, मिरगुण्ड												

गंभीर मध्यम कम

लक्षण : आरम्भ में पत्ते पर अनियमित बुरे रंग में धब्बे दिखाई देते है। धिरे धिरे ये धब्बे आपस में मिल जाते है। और काले रंग का बड़ा सा धब्बा बन जाता है। तथा पत्तियां सुख जाती है। रोग गंभीर हो जाता है।

कृषि सम्बन्धी नियंत्रण: इसका नियंत्रण सहतूत की दो पंक्तियों (९० से मी x ९० से मी) के बीच अधिक स्थान या युग्मक पंक्ति रोपण द्वरा किया जा सकता है।

नियंत्राण : रासायनिक नियंत्रण : ०.१% कार्बेन्डाजिम ५०% WP या बेविस्टिन २ ग्रम/ लीटर जलिप धोल का छिड़काव करके किया जा सकता है।

सुरक्षा अवधि : सुरक्षा अवधि: ५-७ दिन

3. पर्ण चिति (मायिरोथेसियम रोरिटेम)

राज्य	प्रमुख रेसम उत्पादन क्षेत्र	भिन्न - भिन्न माह में सहतूत की आनुपातिक रोग सघनता											
		जनवरी	फ़रवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जूलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
कर्नाटक	रामनगर, कोलार, हसन												
तमिल नाडु	सेलम, कृष्णागिरि												
आंध्र प्रदेश	अनंतपुर, चित्तूर, कुरनूल												
उड़ीसा	कोरापुट, देवघर, मयूरभंज												
पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद, मालदा, बीरभूम												
बिहार, झारखण्ड	महेशपुर राज, रांची												
असम	जोरहाट												
मणिपुर	इम्फाल												
त्रिपुरा	अगरतला												
नागालैंड	दिमापुर												
मेघालय	मेघालय												
अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल												
मिजोरम	आईजवळ												
जम्मू कश्मीर	पामपुर, मानसबल, मिरगुण्ड												

गंभीर मध्यम कम

लक्षण : आरम्भ अवस्था में पत्ते पर अनियमित काले रंग धब्बे पड़ जाते है। और ये धब्बे बाद में आपस में मिल कर बड़े - बड़े अनियमित धब्बे बना देते है।

नियंत्रण : कृषि सम्बन्धी नियंत्रण: इसका नियंत्रण सहतूत की दो पंक्तियों (९० से मी x ९० से मी) के बीच अधिक स्थान या युग्मक पंक्ति रोपण द्वरा किया जा सकता है।

रासायनिक नियंत्रण : ०.१% कार्बेन्डाजिम ५०% WP या बेविस्टिन २ ग्रम/ लीटर जलिप धोल का छिड़काव करके किया जा सकता है।

सुरक्षा अवधि : ५-७ दिन

4 पर्ण चिति (सूडोसर्कोस्पोरा मोरी)

राज्य	प्रमुख रेसम उत्पादन क्षेत्र	भिन्न - भिन्न माह में सहतूत की आनुपातिक रोग सघनता											
		जनवरी	फ़रवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जूलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
कर्नाटक	रामनगर, कोलार, हसन												
तमिल नाडु	सेलम, कृष्णागिरि												
आंध्र प्रदेश	अनंतपुर, चित्तूर, कुरनूल												
उड़ीसा	कोरापुट, देवघर, मयूरभंज												
पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद, मालदा, बीरभूम												
बिहार, झारखण्ड	महेशपुर राज, रांची												
असम	जोरहाट												
मणिपुर	इम्फाल												
त्रिपुरा	अगरतला												
नागालैंड	दिमापुर												
मेघालय	मेघालय												
अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल												
मिजोरम	आईजवळ												
जम्मू कश्मीर	पामपुर, मानसबल, मिरगुण्ड												

गंभीर मध्यम कम

लक्षण : पत्तियों की निचली सतह पर छोटे या मध्यम मख़मली कोणिये आकार के काले धब्बे दिखाई देते है। धब्बे आपस में मिल जाते है तथा गंभीर रूप से प्रभावित पत्तियांप पिली हो जाती है। और समय से पहले पत्तियां गिर जाती है।

नियंत्रण : कृषि सम्बन्धी नियंत्रण: इसका नियंत्रण सहतूत की दो पंक्तियों (९० से मी x ९० से मी) के बीच अधिक स्थान या युग्मक पंक्ति रोपण द्वरा किया जा सकता है।

रासायनिक नियंत्रण : ०.१% कार्बेन्डाजिम ५०% WP या बेविस्टिन २ ग्रम/ लीटर जलिप धोल का छिड़काव करके किया जा सकता है। यदि रोग का प्रकोप अधिक है तो १० दिन के अंतराल पर दूसरा छिटकाव करना चाहिए।

सुरक्षा अवधि : सुरक्षा अवधि: ५-७ दिन

5. पर्ण किट्ट (सेरोटेलियम फिसि)

राज्य	प्रमुख रेसम उत्पादन क्षेत्र	भिन्न - भिन्न माह में सहतूत की आनुपातिक रोग सघनता											
		जनवरी	फ़रवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जूलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
कर्नाटक	रामनगर, कोलार, हसन												
तमिल नाडु	सेलम, कृष्णागिरि												
आंध्र प्रदेश	अनंतपुर, चित्तूर, कुरनूल												
उड़ीसा	कोरापुट, देवघर, मयूरभंज												
पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद, मालदा, बीरभूम												
बिहार, झारखण्ड	महेशपुर राज, रांची												
असम	जोरहाट												
मणिपुर	इम्फाल												
त्रिपुरा	अगरतला												
नागालैंड	दिमापुर												
मेघालय	मेघालय												
अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल												
मिजोरम	आईजवळ												
जम्मू कश्मीर	पामपुर, मानसबल, मिरगुण्ड												

गंभीर मध्यम कम

लक्षण : पत्तियों की निचली सतह पर आल पिन के आकार के भूरे या काले धब्बे दिखाई देते है। तथा पत्तियों की ऊपरी सतह पर छोटे काले धब्बे दिखाई देते है। और बहुत सी प्रभावित पत्तियां पिली पड़ कर गिर जाती है।

नियंत्रण : ०.२% कापर आॅक्सीक्लोराइड 50WP (ब्लाईटोक्स) ४ ग्राम पर लीटर या ०.२% कवच (च्लोरोथलोनिल) का जलीय घोल का छिटकाव करना चाहिए

सुरक्षा अवधि : छिटकाव के १५ दिन के बाद।

6. बैक्टीरियल पर्ण ब्लाइट (जैन्थोमोनस कम्पेस्ट्रिस)

राज्य	प्रमुख रेसम उत्पादन क्षेत्र	भिन्न - भिन्न माह में सहतूत की आनुपातिक रोग सघनता											
		जनवरी	फ़रवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जूलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
कर्नाटक	रामनगर, कोलार, हसन												
तमिल नाडु	सेलम, कृष्णागिरि												
आंध्र प्रदेश	अनंतपुर, चित्तूर, कुरनूल												
उड़ीसा	कोरापुट, देवघर, मयूरभंज												
पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद, मालदा, बीरभूम												
बिहार, झारखण्ड	महेशपुर राज, रांची												
असम	जोरहाट												
मणिपुर	इम्फाल												
त्रिपुरा	अगरतला												
नागालैंड	दिमापुर												
मेघालय	मेघालय												
अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल												
मिजोरम	आईजवळ												
जम्मू कश्मीर	पामपुर, मानसबल, मिरगुण्ड												

गंभीर मध्यम कम

लक्षण : पत्तियों की निचली सतह पर पानी की तरफ से धब्बे दिखाई देथे है। बाद में धब्बे भूरे पद जाते है। और मृत ऊतकों के कारण धब्बे जाल की तरह दिखाई देते है।

नियंत्रण : ०.०१% फाइटोमाइसिन और पुशमायसिन १ ग्राम/ लीटर जलीय धोल का छिड़काव करना चाहिए, अगर आवस्यकता होती है तो १० दिन के बाद दूसरा छिड़काव करना चाहिए।

सुरक्षा अवधि : छिटकाव के १४ दिन के बाद।